राम बनने की प्रेरणा

-सुरेंद्र शर्मा

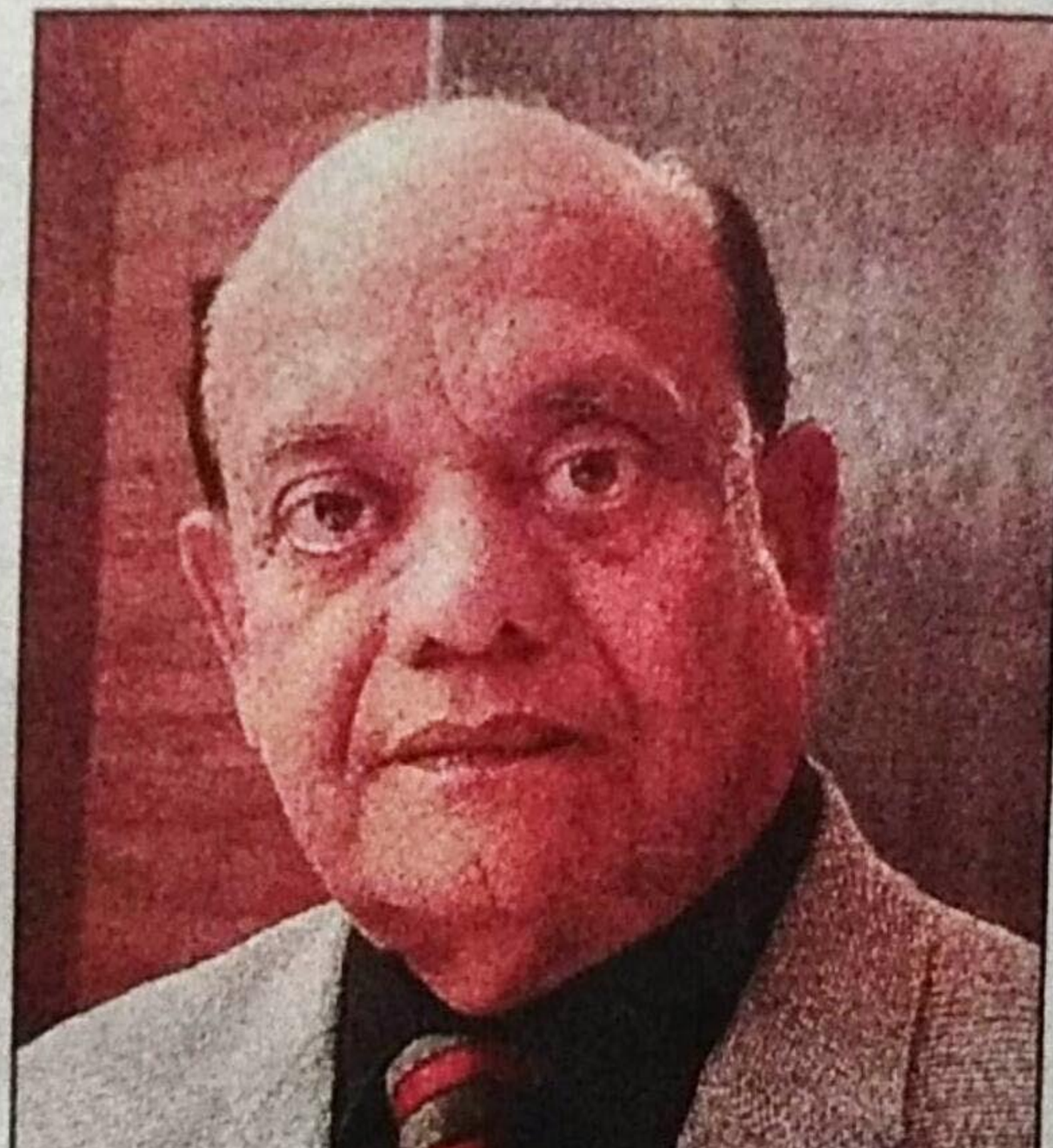

'पत्नी जी!

मैं छोरा नैं राम बनने की प्रेरणा दे
रियो ऊं

कैसो अच्छो काम कर रियो ऊं!'

वा बोली- 'मैं जाणूं हूं थैं छोरा नैं
राम क्यों बणाणा चाहो हो

अइयां दसरथ बणकै तीन घरआली
लाणा चाहो हो!'